DPL–01

December – Examination 2023

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) भगवान महावीर ने अपना उपदेश किस प्राकृत में दिया ?

   (ii) शौरसेनी प्राकृत में कितने वचन होते हैं ?

(iii) महाराष्ट्री प्राकृत में किवा शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है ?

(iv) संक्षिप्तसार किनकी रचना है ?

(v) 'स्वप्नवासदत्तम्' में कितने अंक हैं ?

(vi) 'पउमचरियं' के लेखक कौन हैं ?

(vii) 'सुरसुन्दरीचरिय' में कुल कितनी गाथा हैं ?

(viii) 'बालरामायण' में कुल कितने अंक हैं ?

(ix) 'वसुदेव चरित' काव्य का अपर नाम लिखिए।

(x) 'आवश्यक निर्युक्ति' के रचनाकार कौन हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. अर्धमागधी प्राकृत के नामकरण हेतु पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

3. शौरसेनी प्राकृत के अव्यय पदों को स्पष्ट कीजिए।

4. महाराष्ट्री प्राकृत के नामकरण की समीक्षा कीजिए।

5. प्रवरेसन के व्यक्तित्व को स्पष्ट कीजिए।

6. कंसवहों की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

7. गाथासप्तशती में ग्राम्य जीवन का वर्णन कीजिए।

8. कर्पूरमंजरी की प्रथम जवनिका को संक्षेप में समझाइए।

9. आगम व्याख्या साहित्य को संक्षेप में समझाइए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. 'मृच्छकटिकम्' नाटक में प्राकृत भाषा के प्रयोग की समीक्षा कीजिए।

11. 'सेतुबन्ध' में महाकाव्यत्व की सिद्धि की समीक्षा कीजिए।

12. 'लीलावई' महाकाव्य में छन्द विधान का विवेचन कीजिए।

13. 'लज्जावग्ग' के आधार पर आदर्श नारी का विशद वर्णन कीजिए।